



एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 02, अंक: 04 (जुलाई-अगस्त, 2022)

www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

तिल में आधार एवं प्रमाणित बीज का उत्पादन

(निशा, अक्षय भुक्कर व गगनदीप सिंह)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार – 125001

संवादी लेखक का ईमेल पता: nishasamra28@gmail.com

तिल का वैज्ञानिक नाम सिसेमम इण्डिकम ($2n=32$) एवं कुल-पेडिलिएसि है। यह एक वार्षिक तेलिय फसल है। तिल का पौधा 50 से 100 सेमी लम्बा एवं पीले रंग के पुष्प वाला होता है। तिल के बीजो में 40-48 प्रतिशत तेल की मात्रा होती है। तिल भारत में मुख्यत खरीफ सीजन में बोई जाने वाली फसल है। तिल की फसल कम समय 100-135 दिनों में पककर तैयार होने वाली फसल है। तिल भारत में मुख्यत राजस्थान, मध्य-प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में उत्पादन किया जाता है।

मिट्टी:- 7.5-8.0 की पीएज रेंज के साथ अच्छी तरह से सुखा रेतीले लोम मिट्टी और शुष्क एवं अर्द्धशुष्क जलवायु तिल बीज उत्पादन के लिए उपयुक्त है।

मौसम:- मुख्यत फसल बुवाई जून-जुलाई के दौरान की जा सकती है।

बीज चयन:- आधार बीज उत्पादन के लिए प्रजनक बीज एवं प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए आधार बीज का चयन किया जा सकता है।

तिल बीज की किस्में:- बीज उत्पादन के लिए संबंधित किस्म अधिसूचित होनी चाहिए। इसमें प्रताप, पंजाब तिल न. 1, आरटी 1, मधावी, गौरी आदि तिल की लोकप्रिय किस्में हैं।

बीजदर:- एक हेक्टेयर के लिए लगभग 5 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

बीज उपचार:- बीजो को ट्राईकोड्रमा 4 ग्राम प्रति किलोग्राम या कार्बनडिजम 2 ग्राम प्रति किलो ग्राम से उपचारित कर सकते हैं। बुवाई से पहले 20 से 30 मिनट उपचारित बीजो को छाया में सुखाए। बुवाई-कतार से कतार 30 सेन्टीमीटर एवं पौधे से पौधे के बीच की दूरी 30 सेन्टीमीटर पर बुवाई की जा सकती है।

सिंचाई:- बुवाई के तुरन्त बाद बीज क्षेत्र की सिंचाई करे, इसके बाद साप्ताहिक अंतराल में तीन से चार बार सिंचाई करे।

उर्वरक:- मिट्टी की तैयारी के समय फार्म यार्ड खाद 25 टन/हेक्टेयर, अकार्बनिक उर्वरक नत्रजन 25 किलोग्राम फास्फोरस 50 किलोग्राम और 25 किलोग्राम पोटेषियम प्रति हेक्टेयर बेसल के रूप में उपयोग करे।

बीज क्षेत्र का निरीक्षण:- तिल प्रायः परपरागित फसल है इसमें न्यूनतम तीन निरीक्षण की आवश्यकता रहती है। प्रथम निरीक्षण पुष्पावस्था से पूर्व एवं द्वितीय निरीक्षण पुष्पावस्था में व तीसरा फली निर्माण के समय किया जाता है।

बीज क्षेत्र के मानक

- **प्रथमकरण:-** तिल बीज क्षेत्र की दूरी अन्य किस्म वाले तिल वाले बीज क्षेत्र से दूरी आधार बीज उत्पादन एवं प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए न्यूनतम क्रमशः 100 एवं 50 मीटर होनी चाहिए।
- **विशिष्ट आवश्यकता:-** तिल बीज उत्पादन क्षेत्र में अधिकतम अवांछित पौधों की संख्या आधार बीज एवं प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए मानक क्रमशः 0.10 एवं 0.20 प्रतिशत होनी चाहिए। बीज जनित बीमारी (लिफ सपाट) युक्त पौधों की संख्या आधार बीज एवं प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए मानक क्रमशः 0.50 एवं 1.0 प्रतिशत होनी चाहिए।

➤ बीज मानक

कारक	मानक	
	आधार बीज	प्रमाणित बीज
शुद्ध बीज (भार का न्यूनतम %)	97.0%	97.0%
अक्रिय पदार्थ बीज (भार का अधिकतम %)	3.0%	3.0%
अन्य बीज (अधिकतम कुल संख्या)	10/कि.ग्रा	20/कि.ग्रा
खरपतवार बीज (भार का अधिकतम)	10/कि.ग्रा	20/कि.ग्रा
अन्य प्रजातिया (संख्या का अधिकतम संख्या)	10/कि.ग्रा	20/कि.ग्रा
अंकुरण (न्यूनतम %)	80%	80%
नमी की मात्रा (अधिकतम %)	9.0%	9.0%

पैदावार:- अच्छी कृषि प्रबंधन की अवस्था में 3 से 5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर औसत पैदावार हो सकती है।